हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 05 अंक 39 | लखनऊ | शनिवार 03 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

संक्षिप्त समाचार

दो पाकिस्तानी घुसपैठिए मारे गए,भारतीय इलाके में घुसने की कर रहे थे कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने शुक्रवार दिन में दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को ढेर कर दिया। ये कार्रवाई दिन के करीब 12 बजे की है। अधिकारियों के मुताबिक, इंटरनेशनल बॉर्डर पार करके दो पाकिस्तानी घुसपैठिये भारतीय



इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान बीएसएफ की टीम ने उन्हें देख लिया। जैसे ही जवानों को उन पर शक हुआ तो बीएसएफ ने कार्रवाई की, जिसमें दो पाकिस्तानी घुसपैठिये मारे गए। बीएसएफ से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तानी घुसपैठिये दोपहर करीब 12 बजे पंजाब के तरनतारन इलाके में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

भारत एआई सैटेलाइट लॉन्च करने वाला चौथा देश बना

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत ने ऐसा पहला एआई सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेजा है, जो सिर्फ तस्वीरें खींचकर धरती पर नहीं भेजेगा, बल्कि उनका एनालिसिस भी स्पेस में ही करेगा। इससे बॉर्डर निगरानी और आपदा में मदद मिलेगी। साथ ही तस्वीरों और डेटा को धरती तक भेजने में लगने



वाला समय और खर्च कम होगा। हैदराबाद की कंपनी टेकमीटूस्पेस का एमओआई-1ए सैटेलाइट स्पेसएक्स के ट्रांसपोर्टर-18 मिशन से रात 11.48 बजे लॉन्च किया गया। कंपनी के मुताबिक यह भारत का पहला ऑर्बिटल कंप्यूटिंग सैटेलाइट है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और चीन के बाद भारत ऐसी क्षमता वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। अभी सैटेलाइट से मिलने वाला डेटा पहले धरती पर भेजा जाता है। इसके बाद उसकी जांच होता है। नए सैटेलाइट में यह काम अंतरिक्ष में ही किया जा सकेगा।

पीएम मोदी की तारीफ, हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक शांति के प्रयासों की प्रशंसा करना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती के दिन पुतिन का यह बयान बताता है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत आज वैश्विक शांति की सबसे भरोसेमंद आवाज बन गया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 23वें वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब के मुख्य सत्र में



प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि वे हर मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने का मुद्दा उठाते हैं। वे ऐसे सुझाव लेकर आते हैं, जो दोनों पक्षों के लिए स्वीकार्य हैं। वे इस झगड़े को शांति से और जल्द सुलझाना चाहते हैं। केंद्रीय गृहमंत्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट पर लिखा, पुतिन की ओर से वैश्विक शांति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करना हर भारतीय को गौरवान्वित करने वाला क्षण है।

धर्म और राष्ट्र अलग-अलग नहीं, दोनों एक-दूसरे पर निर्भर

- **भागवत बोले-धर्म संकट में आया तो देश भुगतेगा खामियाजा**

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत में धर्म और राष्ट्र अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखने में मदद करता है। धर्म संकट में आया तो देश खामियाजा भुगतेगा। मोहन भागवत ने कहा, हमारा राष्ट्र और धर्म अलग नहीं हैं। राष्ट्र का उद्देश्य धर्म है और धर्म राष्ट्र को बनाए रखता है। दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। अगर एक मौजूद है, तो दूसरा भी मौजूद है। अगर एक नहीं है, तो दूसरा भी नहीं है। भागवत ने मुंबई में ऑल इंडिया विहार सेवा ग्रुप के 14वें सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि दुनिया विकास और पर्यावरण सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन खोज रही है।



भारत से ही हर समस्या का समाधान

भारत ने दूसरे देशों पर कब्जा करने या लोगों का धर्म बदलने की कोशिश किए बिना अपना ज्ञान दुनिया से साझा किया। दुनिया जानती है कि रास्ता भारत से निकलेगा। भारत के पास वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और गीता जैसी विशाल ज्ञान परंपरा है। इसमें जैन आगम, त्रिपिटक, गुरु ग्रंथ साहिब और संतों की शिक्षाएं भी शामिल हैं।

भारत के नए नक्शे में ऑक्साई चिन का डेहरा कंपास भी शामिल

लद्दाख पर देश के बड़े फैसले से चीन को लगेगी मिर्ची



श्रीनगर/ लद्दाख (एजेंसी)। केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख प्रशासन की सिफारिश पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने लद्दाख में 28 नए भौगोलिक जगहों को आधिकारिक तौर पर मान्यता दी है। इनमें चीन के कब्जे वाले इलाके ऑक्साई चिन का डेहरा कंपास भी शामिल हैं। अब भारत के आधिकारिक नक्शे में डेहरा कंपास के शामिल होने के बाद चीन को मिर्ची लगना तय है। बता दें कि इससे पहले भारत सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में भी कई इलाकों को नक्शे में शामिल किया था। इन इलाकों को नया नाम दिया गया था, जिस पर चीन की बौखलाहट सामने आई थी। **28 नए भोगौलिक जगहों को मिली मान्यता-** बता दें कि लद्दाख के इलाके लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्रफल पर चीन का कब्जा है, जिसे ऑक्साई चिन का नाम दिया गया है। 5000 मीटर ऊंचाई वाले इस इलाके में आबादी नहीं है। इसे बर्फीला रेगिस्तान कहा जाता है मगर रणनीतिक तौर से काफी महत्वपूर्ण है।

- **पहाड़ों, घाटियों और नदियों को मिला नया नाम-** सर्वे ऑफ इंडिया के नक्शे में लद्दाख की चोटियों, पहाड़ों, दर्रों, ग्लेशियरों, घाटियों, नदियों, झीलों और जमीन को नया नाम दिया गया है। नए नामों में ज़ोरावर पीक, कनिष्क पीक, अतिशा गिरी, मार्तंड गिरी, रिंचेन ज़ंगपो, शाक्यश्री गिरी, मारपा लोत्सावा री, मिलारेपा कांगरी, शिव री और महेश्वर री शामिल हैं। इस लिस्ट में करुण पीर, ड्रैक कार्पो और जोलमोरी पहाड़ को शामिल किया गया है। इसके अलावा चापचिंगले दर्रा और शचमिर्क दर्रे को भी आधिकारिक नाम दिया गया है। नक्शे में पारपिक और स्कामारी ग्लेशियर और श्कोर्गा घाटी भी है।

यूसीसी लागू करने वाला गुजरात बना दूसरा राज्य

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिली मंजूरी, लागू हुआ कानून मार्च, 2026 में विधानसभा से पास हुआ था यह बिल

अहमदाबाद (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात में यूनिफॉर्म सिविल कोड को लागू करने को अपनी स्वीकृति दे दी है। गुजरात में भूपेंद्र पटेल की अगुवाई वाली सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी समान नागरिक संहिता कानून को विधानसभा में पारित करके राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा था। उत्तराखंड के बाद अब गुजरात दूसरा राज्य हो गया है जहां पर यूनिफॉर्म सिविल कोड प्रभावी हो गया है। देश में सबसे पहले उत्तराखंड में यूसीसी लागू हुआ था। कुछ दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि केंद्र सरकार 2029 से पहले सभी एनडीए शासित राज्यों में यूसीसी लागू करेगी। गुजरात में बीजेपी ने इसे 2022 विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में रखा था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिलने के बाद, गुजरात भारत का दूसरा ऐसा राज्य बन गया है जिसे यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने की मंजूरी मिली है।



शुभ रहा 'शुक्रवार', मुक्केबाजों का 'गोल्डन' वार

बॉक्सिंग में लवलीना और परवीन के बाद अंकुश भी छाए | रेसलिंग में सुजीत कालकल सोना जीते | महिला हॉकी में चीन से छिना गोल्ड

नागोया (एजेंसी)। एशियन गेम्स में शुक्रवार का दिन भारत के लिए बहुत ही शुभ रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने एक मिनट के अंदर 2 गोल्ड मेडल जीते। बॉक्सर अंकुश पंघाल ने पुरुषों की 80 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। इससे ठीक एक मिनट पहले सुजीत कलकल ने रेसलिंग के पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में सोना अपने नाम किया। इससे पहले बॉक्सर परवीन हुड्डा ने विमेंस 65 किग्रा और लवलीना बोरगोहेन ने विमेंस 75 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। पहली बार 3 भारतीय मुक्केबाज एशियन गेम्स में



चैंपियन बने हैं। सुबह भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने रिकर्व इवेंट में भी गोल्ड दिलाया। इसके साथ भारत के 15 गोल्ड मेडल हो गए हैं और वह मेडल टैली में 5वें नंबर पर पहुंच गया है। आर्चरी में महिला रिकर्व टीम ने साउथ कोरिया के दबदबे को खत्म करते हुए पहली बार एशियन गेम्स में गोल्ड जीता है। वहीं मिक्स्ड रिकर्व टीम भी इन खेलों में सिल्वर मेडल जीतने में सफल रही।

- **सुजीत कलकल ने 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में जीता गोल्ड-** भारत के सुजीत कालकल ने पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड मेडल जीत लिया। फाइनल में सुजीत ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए कुदिएव को 10-9 से हराया। मुकाबले में एक समय सुजीत 2-9 से पीछे थे और सिर्फ 1 मिनट 40 सेकंड का खेल बाकी था। इसके बाद उन्होंने लगातार टेकडाउन किए और तेजी से तीन बार 2-2 अंक जुटाकर स्कोर 8-9 तक पहुंचा दिया। आखिरी 11 सेकंड में सुजीत ने एक और टेकडाउन किया। इससे उन्हें 2 अंक मिले और उनका स्कोर 10 हो गया। इसी के साथ उन्होंने कुदिएव के 9 अंकों को पीछे छोड़ते हुए गोल्ड अपने नाम कर लिया।

भारतीय विमेंस हॉकी को एशियाड में 44 साल बाद मिला गोल्ड

फाइनल में चीन को 1-0 से हराया, 13वें दिन छाए भारतीय



भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में 44 साल बाद गोल्ड जीत लिया। टीम ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराया। भारत के लिए एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने किया। इससे पहले भारत ने 1982 में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड जीता था। भारत की महिला हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीत लिया है। फाइनल में भारत ने चीन को 1-0 से हराया। यह एशियन गेम्स में भारतीय महिला हॉकी का 44 साल बाद पहला मेडल है। भारत ने इससे पहले 1982 में गोल्ड मेडल जीता था। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजिलिस 2028 ओलिंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई भी कर लिया है।

भारत 114 और राफेल खरीदेगा इसमें स्वदेशी हथियार लगेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की योजना आगे बढ़ रही है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रोजेक्ट पर इस वित्त वर्ष के अंत तक फैसला हो सकता है। अभी कंपनियों से मिले प्रस्तावों की जांच की जा रही है। भारत इस डील में ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करना चाहता है। योजना के मुताबिक, ज्यादातर राफेल विमान भारत में असेंबल किए जाएंगे। इनमें भारत



में बने हथियार और दूसरे सिस्टम लगाए जाएंगे। डिफेंस सेक्रेटरी ने बताया कि फ्रांस की कंपनी पहले खरीदे गए राफेल मरीन विमानों में भी भारतीय हथियार लगाने पर सहमत हो गई है। भारत के पास अभी 36 राफेल हैं, जो ऑपरेशन हैं। अप्रैल 2025 में नौ सेना के लिए 26 राफेल खरीदने का सौदा हुआ है। इनकी डिलीवरी 2030 तक पूरी होने की उम्मीद है। यानी 4 साल बाद देश की सेनाओं के पास 62 राफेल हो जाएंगे।

एसआईआर के बाद छूटे नामों पर अब 'ईसी' का फोकस

20 राज्यों में विशेष अभियान चलाएगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) पूरा कर चुके 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव आयोग विशेष अभियान चलाएगा। इसमें एसआईआर के दौरान छूटे लोगों और 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने यह निर्देश 29 सितंबर को लिखित रूप में दिया था। गुरुवार को सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में भी इसे दोहराया गया। पहले और दूसरे फेज में 13 राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, तीसरे फेज में 16 राज्यों और 3



केंद्र शासित प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया जारी है। इनमें से 7 राज्यों में लिस्ट जारी हो चुकी है। तीसरे फेज के 7 राज्यों के नाम नहीं बताए हैं।

- **हटाए गए नामों की भी जांच होगी-** इसके अलावा आयोग ने ईसीआईनेट की समीक्षा के लिए एक कमेटी बनाने का फैसला किया है। इसमें आईआईटी या आईआईआईटी का एक स्वतंत्र विशेषज्ञ भी शामिल होगा। जरूरत के मुताबिक सॉफ्टवेयर में बदलाव किए जाएंगे। चुनाव आयोग एसआईआर से पहले और बाद की मतदाता सूचियों की तुलना कराएगा, ताकि गलती से हटे पात्र मतदाताओं की पहचान हो सके।

मैं घायल था, लेकिन यात्रियों को मरते नहीं देख सकता था

पीएम मोदी से वीडियो कॉल पर बोले पायलट स्मित मछार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार से वीडियो कॉल पर बात की और एक बड़े विमान हादसे को टालने के लिए उनके अदम्य साहस की सराहना की। बुधवार को दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान के दौरान ओमानी मूल के को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर चाकू से हमला कर विमान को क्रैश कराने की कोशिश की थी। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने सूझबूझ से कॉकपिट का दरवाजा खोला, जिसके बाद यात्रियों और क्रू मेंबर्स ने हमलावर को काबू किया।



यूपी के 14 शहरों में बाढ़, मंदिरों-स्कूलों में भरा पानी



गोंडा में 25 हजार लोग फंसे, बिहार में 3.65 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बारिश रुकने के बावजूद गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। लखनऊ के निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। बाराबंकी में स्कूलों और मंदिरों में भी पानी घुस गया है। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है। 30 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। 25 हजार से ज्यादा की आबादी बाढ़ में फंसी है। गलियों में नावें चल रही हैं। दो बच्चों की डूबने से मौत हो गई है। नेपाल से पानी आने और 10 तटबंधों के टूटने से बिहार के 6 जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। 253 गांवों में पानी घुस गया है। इससे 3.65 लाख लोग प्रभावित हैं। 44 हजार लोग घर छोड़ चुके हैं। तीन लोगों की मौत हो चुकी है। हिमाचल प्रदेश में 6-7 अक्टूबर को मैदानी इलाकों में तेज बारिश का अलर्ट है। मध्य प्रदेश में 2-3 दिनों में मानसून विदा हो सकता है। राजस्थान के बीकानेर में बारिश हो सकती है। मानसून में 22 फीसदी कम बारिश हुई। तापमान करीब 38 डिग्री है। नेपाल से आए भारी पानी और कमजोर तटबंधों के टूटने से बिहार में बाढ़ विकराल हो गई है।



यूपी में 15 नदियां उफनाईं गोंडा में 30 गांव टापू बने

यूपी में बारिश थम गई है, लेकिन नदियां अब भी उफान पर हैं। गंगा, शारदा समेत 15 नदियां खतरे के निशान के करीब बह रही हैं। उन्नाव में सई नदी का पानी 12 से ज्यादा गांवों में घुस गया है। हजारों बीघे धान की फसल डूब गई। सड़कें जलमग्न हैं। घरों-दुकानों में पानी भर गया है। लखनऊ में सई-गोमती नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। निचले इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया है। सड़कें जलमग्न हैं। बाराबंकी में सरयू उफान पर है। 1100 साल पुराने बाबा नारायण दास मंदिर का एक हिस्सा 4 दिन से नदी में लटका है। कुशीनगर में गंडक नदी लगातार कटान कर रही है। 48 घंटे में 6 रिहायशी झोपड़ियां और 2 पक्के मकान नदी में समा चुके हैं। गोंडा में घाघरा खतरे के निशान से 26 सेमी ऊपर बह रही है।

महाराष्ट्र के अमरावती में भीषण सड़क हादसा

ट्रक-पिकअप वैन की टक्कर, 7 लोगों की मौत

अमरावती (एजेंसी)। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में समृद्धि हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां तेज रफ्तार ट्रक ने पीछे से पिकअप वैन को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, पिकअप में श्रद्धालु देवी दुर्गा की प्रतिमा लेकर जा रहे थे। पिकअप की रफ्तार कम थी और उसके पीछे ट्रॉली लगी हुई थी। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रॉली को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रॉली पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव का काम शुरू किया। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।



सुभाषितम्

अपने आप को खुश करने का सबसे अच्छा तरीका है, किसी और को खुश करने की कोशिश करना। - मार्क

चुनाव आयोग में प्याज की तरह परत दर परत खुलासा

केंद्रीय चुनाव आयोग सॉफ्टवेयर के माध्यम से क्या-क्या गुल खिला रहा था यह एक के बाद एक स्पष्ट होता चला जा रहा है। हाल ही में फॉर्म नंबर 6 और तार्किक मूल्यांकन के जरिए मतदाता सूची में 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए थे। 2024 के बाद 18 वर्ष पूरे कर चुके युवा मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में नहीं जोड़े गए थे। इसके अलावा फॉर्म 7 के माध्यम से बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक मतदाताओं और ऐसे लोगों के नाम काटे जा रहे थे जो एक पार्टी विशेष को मतदान नहीं करते थे। इस काम में बड़ी संख्या में पन्ना प्रमुख जो एक राष्ट्रीय दल द्वारा बनाए गए थे उनकी और चुनाव आयोग की भूमिका अब खुलकर सामने आ गई है, जिसके कारण मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार एक नई मुसीबत में आ गए हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया है, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज से मिलकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने मनमाने तरीके से सॉफ्टवेयर में परिवर्तन किया। बीएलओ और क्षेत्रीय चुनाव अधिकारियों के अधिकार कंप्यूटर को देकर मतदाताओं के साथ बहुत बड़ी धोखाधड़ी की गई है। इसके साथ ही चुनाव के दौरान फॉर्म नंबर 7 की सहायता से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। हर राज्य में लाखों मतदाताओं के नाम भाजपा के पन्ना प्रमुखों के जरिये काटने का खेल पिछले दो साल से चल रहा है। इसका खुलासा राहुल गांधी ने हरियाणा और महाराष्ट्र की मतदाता सूची में किए गए गड़बड़ घोटाले के मामले को पत्रकार वार्ता के जरिए सामने लाया था। उन्होंने इसके सबूत भी दिए थे, लेकिन उस समय चुनाव आयोग और सरकार ने राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब न देकर उल्टे उनसे शपथ पत्र मांग लिया था। उसके बाद यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया था। चुनाव आयुक्तों में मतभेद होने के कारण अब यह मामला तूल पकड़ गया है। केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त ने चुनाव आयोग पर एकाधिकार कर लिया था, वह मनमाने तरीके से निर्णय ले रहे थे, दो अन्य चुनाव आयुक्तों से सलाह भी नहीं ले रहे थे। चुनाव आयोग में मनमानी नियुक्ति कर रहे थे तथा चुनाव आयोग के पोर्टल में मनमर्जी से वो बदलाव कर चुनाव को प्रभावित कर रहे थे। वह मामला अब इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के बाद तूल पकड़ गया है। सारे देश में आंदोलन चढ़ गया है। सारे विपक्षी दल अब सड़कों पर आ गए हैं। जिसके कारण अब हर मामला सबूतों के साथ खुलकर सामने आ गया है। अब इसको छिपा पाना चुनाव आयोग के लिए संभव नहीं दिख रहा है।

जिस तरह से चुनाव आयोग के साथ-साथ न्यायपालिका के ऊपर सीधे आरोप लगना शुरू हो गए हैं, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के ऊपर अधिवक्ता समुदाय खुद सबूतों के साथ आरोप लगा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता भी प्रदर्शन करने सुप्रीम कोर्ट के बाहर खड़े हो रहे हैं, जो अधिवक्ता अभी तक मुखर होकर अपनी बात नहीं कर पा रहे थे उन्हें अपनी प्रैक्टिस का डर था लेकिन अब वह भी खुलकर सड़कों पर उतर रहे हैं, जिसके कारण चुनाव आयोग और सरकार की मुसीबतें दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही हैं। 2 अक्टूबर से जिस तरह का प्रदर्शन आज देश भर में देखने को मिल रहा है, सारे देश के विपक्षी दल और कॉकरोच जनता पार्टी के आह्वान पर आंदोलन शुरू हो गए हैं। उसको देखते हुए अब नहीं लगता है कि सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट से चुनाव आयोग को कोई संरक्षण मिल पाएगा। ऐसी स्थिति में फार्म 7 की धांधली सामने आने के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री द्वारा अनशन और धरना देने से सबूतों के साथ शिकायत करने पर केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचा पाना अब शायद न्यायपालिका के लिए भी संभव नहीं होगा। आगे किस तरह के हालात बनेंगे कहना मुश्किल है। जो अधिकार संसद के पास थे, उन अधिकारों का उपयोग केंद्रीय चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने किया है। जो मनमानी की थी वह अब दस्तावेजी सबूत के रूप में सामने है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय चुनाव आयोग में एक बड़े बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। सरकार ने जिस तरह से चुनाव आयुक्त की नियुक्ति की थी, वह विवाद भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए। सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है। दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है।

पूर्वजों को श्रद्धांजलि अर्पित करना ही श्राद्ध

- रमेश सर्राफ धमोरा

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है। वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरू हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।



श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरूआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आशार्वाद प्राप्त होता है।

श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांड़ों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।

पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया। पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं।

विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है। गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है।

टिन के डिब्बों से एशियाई स्वर्ण तक

- कुमार कृष्णन

खेलों में पदक दिखाई देता है, उसके पीछे का संघर्ष नहीं। पोडियम पर खड़े खिलाड़ी के गले में चमकता स्वर्ण हमें उसकी सफलता बताता है, लेकिन उस स्वर्ण तक पहुंचने के रास्ते में कितनी कमी, कितनी मेहनत और कितनी बार अपने ही साधनों से लड़ना पड़ा, यह कहानी अक्सर खबर का हिस्सा नहीं बनती।

नीरू ढांडा की कहानी इसलिए सिर्फ एक निशानेबाज की सफलता की कहानी नहीं है। हरियाणा के जींद जिले के एक किसान परिवार से निकलकर एशियाई खेलों में महिला ट्रैप की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने और फिर मिश्रित ट्रैप टीम में भी स्वर्ण हासिल करने तक का उनका सफर भारतीय खेल व्यवस्था के सामने कई सवाल खड़े करता है। सवाल यह कि प्रतिभा पैदा कहां होती है और अवसर किसे मिलता है?

29 सितंबर 2026 को नीरू ने महिला ट्रैप के व्यक्तिगत फाइनल में 30 में से 28 निशाने सही लगाए और नया एशियाई खेल रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले उन्होंने क्वालिफिकेशन में 118 अंक के साथ खेलों का रिकॉर्ड बनाया था। उसी दिन आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ उन्होंने महिला ट्रैप टीम का रजत पदक भी जीता। अगले दिन, 30 सितंबर को काइनान चेनाई के साथ मिश्रित ट्रैप टीम में 34 के स्कोर के साथ उन्होंने दूसरा स्वर्ण जीता और इस स्पर्धा का नया एशियाई रिकॉर्ड कायम किया। इस तरह नीरू के खाते में इस एशियाई खेल में दो स्वर्ण और एक रजत हो चुके हैं।

लेकिन इन आंकड़ों से पहले उस दृश्य को देखना जरूरी है जहां से यह कहानी शुरू हुई थी।

नीरू ने अपना निशानेबाजी का सफर किसी अत्याधुनिक शूटिंग रेंज से नहीं शुरू किया था। शुरूआती दिनों में वह परिवार की दुनाली बंदूक से टिन के डिब्बों को निशाना बनाती थीं। बाद में उनके चचेरे भाई और 2018 एशियाई खेलों में ट्रैप के रजत पदक विजेता लक्ष्य श्योराण ने उन्हें अपनी बंदूक से अभ्यास करने में मदद की। 2019 में वह भोपाल की मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी पहुंचीं, जहां उन्हें उपकरण और व्यवस्थित प्रशिक्षण की सुविधा मिली।

टिन के डिब्बे से लेकर एशियाई खेलों के पोडियम तक की यह दूरी केवल भौगोलिक दूरी नहीं है। यह खेल में अवसर की असमानता की दूरी भी है।

ट्रैप शूटिंग ऐसा खेल नहीं है जिसे केवल उत्साह के सहारे खेला जा सकता है। बंदूक, कारतूस, शूटिंग रेंज, प्रशिक्षित कोच और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए इन सबका इंतजाम करना आसान नहीं होता। इसलिए नीरू की कहानी को केवल अभाव पर विजय की प्रेरक कथा बनाकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। इसके भीतर यह बड़ा सवाल छिपा है कि कितनी प्रतिभाएं संसाधनों के अभाव में खेल की पहली सीढ़ी पर ही रुक जाती हैं?

नीरू के मामले में परिवार और रिश्तेदारों का सहयोग मिला। लक्ष्य श्योराण की सफलता ने उन्हें प्रेरित किया। फिर मध्य प्रदेश शूटिंग अकादमी और बाद में सेना की संस्थागत व्यवस्था ने उनके खेल को आगे बढ़ने का आधार दिया। आज वह भारतीय सेना में नायब सूबेदार हैं और आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट से प्रशिक्षण लेती हैं।

यहां भारतीय खेल व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। सेना लंबे समय से उन खिलाड़ियों के लिए रोजगार, प्रशिक्षण और प्रतियोगी खेल का मंच रही है जिनके लिए खेल के साथ आजीविका का सवाल भी जुड़ा होता है। किसी किसान, मजदूर या निम्न-मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे के लिए खेल में करियर केवल पदक का सपना नहीं होता। उसके साथ परिवार की आर्थिक चिंता भी जुड़ी रहती है। यदि खेल और रोजगार की सुरक्षा साथ मिल जाए तो प्रतिभा को टिके रहने का आधार मिलता है।

लेकिन क्या देश की खेल प्रतिभा का बड़ा हिस्सा सेना या कुछ चुनिंदा संस्थानों के सहारे ही आगे बढ़े? यह सवाल इसलिए जरूरी है क्योंकि खेल प्रतिभा की पहली पहचान तो स्कूल, गांव, प्रखंड और जिला स्तर पर होनी चाहिए। वहां प्रशिक्षित कोच, उपकरण और प्रतियोगिताओं की व्यवस्था मजबूत होगी तभी किसी नीरू को समय रहते पहचाना जा सकेगा।

गांवों को अक्सर खेल सुविधाओं की कमी के कारण पिछड़ा माना जाता है। लेकिन गांव प्रतिभा से खाली नहीं हैं। कमी अक्सर अवसर और पहचान की होती है। शहर में किसी बच्चे को अकादमी, प्रशिक्षक या प्रतियोगिता की जानकारी मिल सकती है। गांव में प्रतिभा को यह पता लगाने में ही वर्षों लग सकते हैं कि वह किस खेल के लिए बनी है और वहां से आगे जाने का रास्ता क्या है।

नीरू का शुरूआती जीवन इसी सच की ओर इशारा करता है। प्रतिभा हमेशा किसी व्यवस्थित खेल ढांचे में जन्म नहीं लेती। वह घर के आंगन में, स्कूल के मैदान में, खेत की मेड़ पर, स्थानीय प्रतियोगिता में या किसी रिश्तेदार के खेल प्रदर्शन को देखकर भी जाग सकती है। असली परीक्षा व्यवस्था की है—वह उस प्रतिभा को पहचानती कब है और उसके लिए रास्ता कब खोलती है?

नीरू की वर्तमान उपलब्धियां यह भी बताती हैं कि उनकी कहानी केवल संघर्ष की नहीं, उच्च स्तर की खेल तैयारी की भी है। 2025 में उन्होंने एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता। जुलाई 2026 में वह इटली के लोनाटो में आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में महिला ट्रैप का व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। एशियाई खेलों में आने से पहले ही उनका अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन यह संकेत दे चुका था कि वह केवल अभाव से निकली खिलाड़ी नहीं, बल्कि विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने वाली निशानेबाज हैं।

फिर एशियाई खेलों से ठीक पहले बीमारी ने उनकी तैयारी को झटका दिया। भारतीय एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, संक्रमण के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। लगभग साढ़े तीन सप्ताह तक उनका नियमित प्रशिक्षण नहीं हो पाया और राष्ट्रीय शिविर के दौरान वह कई दिनों तक बेहद कमजोर रहीं। उनके कोच पीटर विल्सन ने बताया कि अस्पताल से लौटने के बाद जापान में भी उन्हें बहुत सीमित समय अभ्यास का मिला।

इसके बाद एशियाई खेलों की शूटिंग रेंज में बारिश भी चुनौती बनकर आई। लेकिन नीरू ने अपना ध्यान प्रक्रिया पर बनाए रखा।

क्या सामने आएंगे प्रेमानंद महाराज के शिष्य की मौत के गहरे राज?

- मनोज कुमार अग्रवाल

चर्चित संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारी शरण की मौत की गुत्थी उलझती जा रही है. शुरूआत में मथुरा पुलिस ने कहा था कि रसिक दुलारी ने खुद की जान ली थी, लेकिन पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद संतों ने इस केस की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है. मथुरा-वृंदावन के संत तो पहले ही पुलिस की थ्योरी को खारिज कर चुके थे. अब अयोध्या के संतों ने भी साफ-साफ कह दिया है कि रसिक दुलारी की मौत की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए.रोजाना नैतिकता और धर्म की व्याख्या करने वाले प्रेमानंद महाराज की इस प्रकरण पर चुप्पी स्वयं में की संदेह को जन्म दे रही है। महाराज जी के सानिध्य में जीवन समर्पित करने वाले युवा परिकर की बेहद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने पर उसको अंतिम दर्शन भी नहीं देना एक शब्द श्रद्धांजली या मुक्ति के लिए भी नहीं देना चौकाने वाला है वहीं श्री हित केली कुंज आश्रम की ओर से भी कोई बयान नहीं आना मामले की गंभीरता को गहरा रहा है और संदेह पैदा करता है कि दीपक लोधी की मौत के पीछे छिपे किसी गंभीर रहस्य को शिद्दत से परदा डालने की कोशिश की जा रही है।

आपको पता है कि वृंदावन के प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक लोधी की मौत का मामला तूल पकड़ता जा रहा है. दीपक लोधी उर्फ रसिक दुलारी शरण ने शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे बाराह घाट मार्ग स्थित गुरु कृपा कुंज आश्रम की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली थी. घटना के बाद दीपक को आनन-फानन में एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था. दीपक ने खुदकुशी क्यों कि इसकी वजह तो अभी तक सामने नहीं आई है. लेकिन इस मामले में झकझोरने वाला सीसीटीवी वीडियो सामने आया था इस फुटेज में दीपक चौथी मंजिल से नीचे गिरता है तो राह गुजरते लोग दंग रह जाते हैं। मृतक दीपक लोधी मूल रूप से मध्यप्रदेश के जबलपुर का रहने वाला था दो साल पहले वृंदावन आया था और दीक्षा देने के बाद नया नाम रसिक दुलारी शरण रख दिया गया था। वह इन दिनों केली कुंज के पास गुरु कृपा कुंज के कमरा नं 21 में रहता था उसी कमरे में एक अन्य शिष्य जुगल शरण भी रहता था।

एक तरफ जहां पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी हुई है. वहीं घटनास्थल से बरामद चीजें मामले को और उलझा रही हैं. शिष्य दीपक का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ था कमरे में एक ग्राइंडर मिला जिस पर खून के निशान मिले हैं और एक डायरी मिली है. साथ ही जिस सीसीटीवी फुटेज में दीपक चौथी मंजिल से कूदता हुआ नजर आ रहा है, उसको फॉरेंसिक लैब भेजा गया है. आशंका जताई जा रही है कि घटना के वक्त दीपक किसी ड्रग्स के प्रभाव में तो नहीं था तो इसके लिए उसका ब्लड सैंपल लिया गया है. दीपक लोधी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आएं हैं। रिपोर्ट में मृतक का गुप्तांग कटा होने की बात सामने आई है. मृतक का शरीर पूरी तरह अकड़ा हुआ था. दीपक के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, जिससे 14 टांके लगे हैं. गिरने की वजह से उनका बाईं ओर से उनका निचला होंठ फट गया. ठुड्डी पर भी चोट के निशान हैं.

आज का राशिफल

मेष आज सुख और आनंद बना रहेगा। आर्थिक क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन में सुख का संयोग बनेगा।

वृषभ कला की ओर रुझान बढ़ेगा। आप दोस्तों और परिजनों से सहयोग मांगेंगे तो मिल जाएगा।

मिथुन आज पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा ।दिन पारिवारिक जीवन के मामले में सुखद रहेगा।

कर्क प्रयास में सफलता पाएंगे। आज आप आर्थिक मामलों में किए गए प्रयास में सफलता प्राप्त करेंगे।

सिंह आज आपको भाग्य का सपोर्ट मिलेगा।दिन प्रभाव और सामाजिक सम्मान बढ़ाने वाला रहेगा।

कन्या लेनदेन को निपटाने में आप सफल रहेंगे। आपके लिए लाभ और उन्नति का संयोग बनता दिख रहा है।

तुला रचनात्मकता का फायदा मिलेगा। दिन मानसिक उलझन को बढ़ाने वाला रहेगा।

वृश्चिक आज,कार्यक्षेत्र में आपको प्रोत्साहन मिल सकता है। दिन आर्थिक रुप लाभदायक रहेगा।

धनु आज,छोटी-छोटी बातों पर क्रोध आ सकता है।दिन मानसिक उलझन भरा रह सकता है।

मकर कोई प्रसन्नतादायक सूचना मिलेगी।आपको लाभ और उन्नति का मौका मिलता रहेगा।

कुंभ सहयोग मिल पाएगा।आपको सुख सुविधा से जुड़ी हुई वस्तुओं की प्राप्ति होगी।

मीन निवेश का फायदा मिल सकता है। आर्थिक मामले में आपको प्रयास का पूरा लाभ मिलेगा।

विशेष

सपा मुखिया अखिलेश का नाथवानी प्रेम?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक बड़ा सरप्राइज दिया है. उन्होंने अंबानी समूह की रिलायंस से जुड़े भाजपा समर्थित राज्यसभा सांसद परमल नाथवानी के बेटे धनराज नाथवानी को सपा से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। धनराज नाथवानी गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं। अमित शाह के इस्तीफा देने के बाद से वह यह पद संभाल रहे हैं। धनराज नाथवानी का नामांकन होने के बाद विधानसभा में गणित के हिसाब से समाजवादी पार्टी दो सीट जीतने की स्थिति में है। तीसरी सीट जीतने के लिए सपा को 10 वोट अतिरिक्त चाहिए। इन 10 वोटो का इंतजाम धनराज नाथवानी अपने धन और भाजपा के रिश्तो से करेंगे। सपा से टिकट मिलने का यही कारण है? राजनीतिक दलों में धन पशुओं को इसलिए विशेष तवज्जो मिलती है। भारत में वैसे भी लक्ष्मी जी की पूजा होती है। वर्तमान समय में सरस्वती मैया की कोई पूंछपरख नहीं है। समय का असर देवी देवताओं पर भी पड़ता है। इसलिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

सारी दुनिया में भारतीय पायलट की वाह-वाह

भारतीय पायलट की बहादुरी और साहस की चर्चा सारी दुनिया में हो रही है। हवा में विमान को हाईजैक करने की कोशिश सह पायलट द्वारा की गई। भारतीय पायलट ने साहस के साथ न केवल मुकाबला किया। बल्कि घायल अवस्था में भी विमान से अपना नियंत्रण नहीं खोया। जिसके कारण 180 से अधिक यात्रियों की जान बची।

कार्टून कोना



आज का इतिहास

1670 : शिवाजी ने सूरत पर हमला किया । **1831 :** अंग्रेजों ने मैसूर पर कब्जा किया । **1899 :** ब्रिटिश गुयाना और बेनुजुएला सीमा विवाद हल हुआ । **1918 :** प्रथम विश्वयुद्ध में शांति के लिए जर्मनी आस्ट्रिया का पत्र अमरीकी का स्विटजरलैंड के माध्यम से मिला। **1929 :** सर्बी क्रोट स्लोवेन का नाम बदलकर यूगोस्लाविया रखा गया । **1932 :** इराक अरब लीग का सदस्य बना। 1935 इतालवी फौजों ने इथोपिया पर हमला किया। **1941 :** जर्मनी के एडोल्फ हिटलर ने सोवियत संघ की पराजय की घोषणा की । **1952 :** ब्रिटेन ने परमाणु बम का प्रथम परीक्षण किया। **1966 :** बसुतोलैंड लेसोथी के रूप में स्वतंत्र हुआ। **1977 :** पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार की गई ।

दैनिक पंचांग

3 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	06.59 बजे से
वृश्चिक	09.14 ब.से
धनु	11.30 बजे से
मकर	13.35 बजे से
कुंभ	15.21 बजे से
मीन	16.54 बजे से
मेष	18.25 बजे से
वृष	20.05 बजे से
मिथुन	22.03 बजे से
कर्क	00.16 बजे से
सिंह	02.32 बजे से
कन्या	04.44 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 276 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 08.00 बजे तदनन्तर अष्टमी 05.52 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 01.30 बजे रात्र को समाप्त। **योग** वरीयान 15.22 बजे को समाप्त। **करण** बव 08.00 बजे, बालव 18.55 बजे तदनन्तर कौलव 05.52 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 03° 53' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872851 **जूलियन दिन** 2461316.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 21 **विशेष** महालक्ष्मी व जीवित्पुत्रिका व्रत।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55	से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37	से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23	से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10



'स्त्री 3' के फैंस को झटका

'स्त्री 3' के लिए 13 अगस्त 2027 की डेट तय की गई थी. मगर दिनेश विजन के ताजा बयान से पता चलता है कि रिलीज की टाइमलाइन अब 2028 हो गई है, हालांकि उन्होंने किसी खास तारीख की पुष्टि नहीं की. प्रोड्यूसर ने फिल्म की रिलीज में देरी की वजह भी बताई. फिल्म में दर्शकों को वह सबकुछ देखने को मिलेगा, जिसकी उन्होंने तीसरे पार्ट से उम्मीद की है.

फिल्म की रिलीज पर नया अपडेट, अब 2028 में आएगी हॉरर-कॉमेडी

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर स्टारर 'स्त्री' फ्रैंचाइजी की शुरुआत साल 2018 में 'स्त्री' से हुई थी और 2024 में 'स्त्री 2' के साथ इसका विस्तार हुआ. ये फिल्में मैडॉक फिल्म्स के हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा हैं, जिसमें 'भेड़िया' और 'मुंज्या' भी शामिल हैं.

अब, जब दिनेश विजन ने तीसरे चैप्टर में सब कुछ सामने लाने के संकेत दिए हैं, मगर फैंस को उम्मीद से थोड़ा ज्यादा इंतजार करना पड़ सकता है. पहले 'स्त्री 3' को 13 अगस्त 2027 को रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब प्रोड्यूसर दिनेश विजन ने संकेत दिया है कि तीसरी फिल्म 2028 में आ सकती है.

दिनेश विजन ने बताया कि फिल्म की शूटिंग अगले साल के आखिर में शुरू होने की उम्मीद है. उन्होंने साल 2028 में स्वतंत्रता दिवस या क्रिसमस पर रिलीज के संकेत दिए. दिनेश विजन ने राजकुमार राव के साथ एक पैनल डिस्कशन में फिल्म की टाइमलाइन के बारे में बात की और कहा कि डायरेक्टर अमर कौशिक को पहले 'महावतार' पूरी करनी होगी. रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, 'अमर कौशिक 'स्त्री' और पूरे यूनिवर्स का सबसे अहम हिस्सा हैं. वह हमारी सबसे बड़ी फिल्म 'महावतार' को डायरेक्ट कर रहे हैं. इसलिए 'स्त्री 3% 2028 में आएगी.' अगर दिनेश विजन की बातों पर यकीन करें, तो इस इंतजार के साथ कुछ सरप्राइज भी मिल सकते हैं. दिनेश विजन ने कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया, बस इतना इशारा किया कि तीसरी फिल्म में दर्शकों को वह सब कुछ मिलेगा जो उन्हें इस फ्रैंचाइजी में पसंद आया है. साथ ही, यह उन्हें किसी ऐसी जगह ले जाएगी जिसकी उन्होंने उम्मीद नहीं की होगी.



गोविंदा-कोमल रानी:

डेटिंग रूमर्स के बीच चीची संग रोमांटिक अंदाज में दिखीं एक्ट्रेस

दिखाई 'रूपा' की पहली झलक

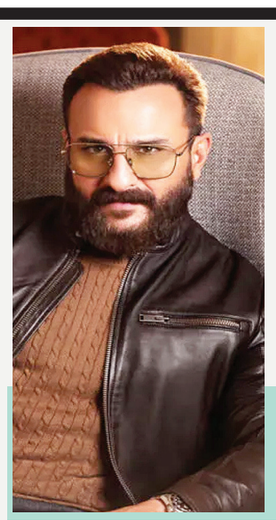
गोविंदा और कोमल रानी के अफेयर की अफवाहें फिल्मी दुनिया में फैली हुई हैं। इस बीच दोनों की रोमांटिक तस्वीर वायरल हो रही है। अभिनेता गोविंदा और कोमल रानी स्वर्णकार आगामी फिल्म 'रूपा' में साथ नजर आएंगे। फिल्म से इतर दोनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी लगातार चर्चा में हैं। एक-दूसरे के साथ इनका नाम जोड़ा जा रहा है और डेटिंग की रूमर्स चल रही हैं। इस बीच इनकी आगामी फिल्म का पोस्टर सामने आया है। दोनों रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं।

एक-दूजे की बाहों में गोविंदा और कोमल रानी

गोविंदा और कोमल रानी स्वर्णकार की फिल्म 'रूपा' का पोस्टर जारी किया गया है। कोमल रानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फिल्म की झलक शेयर की है। इसमें गोविंदा और कोमल एक-दूजे की बाहों में खोए नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ कोमल ने कैप्शन लिखा है, 'रूपा'। इस फिल्म को लिखा गोविंदा ने है, साथ ही निर्देशन की कमान भी उन्होंने ही संभाली है। लीड रोल में वे और कोमल हैं।

कोमल बोलीं- 'लव माय लाइफ'

इसके अलावा कोमल रानी ने एक और फोटो भी साझा की है। इसमें वे और गोविंदा रोमांटिक लुक में दिख रहे हैं। इसके साथ कोमल ने कैप्शन लिखा है, 'लव माय लाइफ'। कोमल रानी साड़ी पहने दिख रही हैं। वहीं, गोविंदा व्हाइट ब्लेजर और ब्लैक जींस में नजर आ रहे हैं। दोनों की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।



पहली बार सैफ अली

प्रियंका की 14 साल पुरानी ख्वाहिश होगी पूरी!

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की एक पुरानी ख्वाहिश पूरी होने वाली है. वो और सैफ अली खान एक साथ एक फिल्म में नजर आ सकते हैं. दोनों से एक फिल्म को लेकर बातचीत चल रही है. सैफ अली खान और प्रियंका चोपड़ा दोनों ही बॉलीवुड का बड़ा नाम हैं. सैफ 33 सालों से फिल्मी दुनिया में हैं, तो वहीं प्रियंका भी 24 सालों से काम कर रही हैं. लेकिन हैरानी की बात ये है कि आज तक ये दोनों सितारे कभी भी एक साथ एक फिल्म में नहीं दिखे. हालांकि, अब ऐसा लगता है कि दोनों का पहला कोलैबोरेशन होने वाला है. और अगर ऐसा हुआ तो इसी के साथ प्रियंका की एक 14 साल पुरानी ख्वाहिश भी पूरी हो जाएगी. फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट की मानें तो साल 2013 में आई पिक्चर 'द लंचबॉक्स' के डायरेक्टर रितेश बत्रा एक इंटरनेशनल फिल्म बना रहे हैं. इस फिल्म के लिए वो सैफ और प्रियंका से बातचीत कर रहे हैं.

प्रियंका चोपड़ा ने सैफ अली खान को लेकर क्या कहा था?

बता दें कि प्रियंका चोपड़ा ने साल 2012 में सैफ के साथ काम करने को लेकर दिलचस्पी दिखाई थी. उन्होंने सैफ को शानदार एक्टर बताया था और कहा था कि वो और सैफ दो-तीन फिल्मों पर साथ काम करने वाले थे, लेकिन शेड्यूल समेत और भी कुछ दिक्कतों की वजह से वो प्रोजेक्ट पूरे नहीं हुए और वो दोनों साथ में कभी भी पर्दे पर नहीं दिखे. अगर रितेश बत्रा की फिल्म के लिए बात बन जाती है, तो इसी के साथ प्रियंका की ये ख्वाहिश भी पूरी हो जाएगी और सैफ के साथ उनकी फिल्म आएगी.



जनता का सच राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र
सही खबर सही सोच जनता की आवाज



आनंद आयुर्वेदिक हर्बल सेंटर
निकट बेनीगंज रोड कोथावां स्थान बरगदिया
नोट
सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज आयुर्वेदिक हर्बल दवा द्वारा किया जाता है।
आयुर्वेदिक डॉक्टर आनन्द
हमारे यहाँ निम्न बीमारियों का सफल इलाज किया जाता है
शुगर (मधुमेह)
बीपी (उच्च/निम्न रक्तचाप)
थायरॉयड
पेट से जुड़ी बीमारियाँ
जोड़ों का दर्द
कमर दर्द
त्वचा रोग
सांस, अस्थमा
लीवर संबंधी रोग
पुरानी बीमारियाँ
एवं सभी प्रकार की सामान्य बीमारियाँ
जड़ी-बूटियों से स्वस्थ जीवन की ओर...
सम्पर्क नंबर: 73989 98898
आयुर्वेदिक इलाज सुरक्षित, प्राकृतिक और स्थायी समाधान

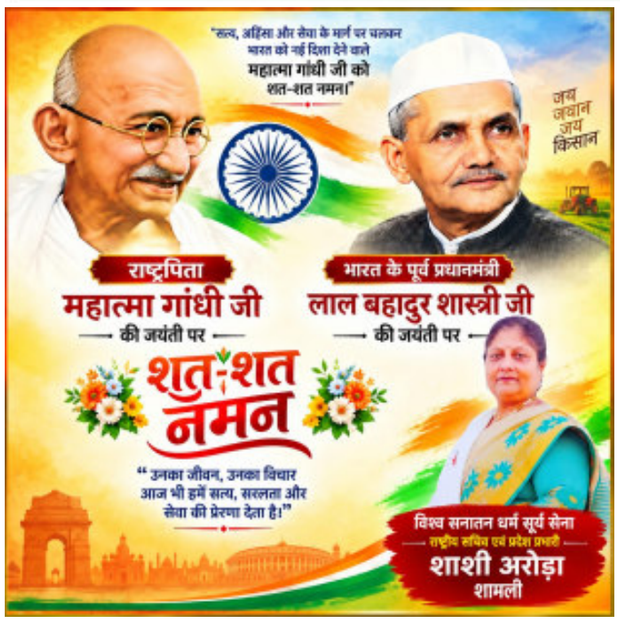
शैदा का साहित्य आजमगढ़ की धरोहर : प्रो गीता सिंह

आजमगढ़। शैदा साहित्य मंडल आजमगढ़ द्वारा आयोजित प्रतिभा निकेतन स्कूल अतलस पोखरा,आजमगढ़ में शैदा जयंती एवं साहित्यिक समारोह 2026 कार्यक्रम किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत मंचस्थ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर द्वीप प्रज्ज्वलन और श्री देवेंद्र तिवारी देव के द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई।कार्यक्रम में सभी का स्वागत डॉ0अम्बरीश श्रीवास्तव संयोजक शैदा साहित्य मंडल आजमगढ़ ने किया।कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण में बोलते हुए प्रो गीता सिंह शिक्षक श्री अध्यक्ष स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग डी ए वी पी जी कॉलेज आजमगढ़ ने कहा कि शैदा साहित्य आजमगढ़ की धरोहर है।आपकी पुस्तकों में दुर्गे,रक्षिका,साजन के गीत,कसक,अंतर ज्योति प्रमुख है।आपके नाम पर स्थापित संस्था 1984 से लगातार आजमगढ़ में पुस्तकों का प्रकाशन,लोकार्पण और वरिष्ठ साहित्यकारों का सम्मान करती आ रही है।इस अवसर पर बोलते हुए श्री संजय कुमार श्रीवास्तव जी ने कहा कि शैदा जी की कुल 16 पुस्तकें प्रकाशित हैं और दर्जनों अप्रकाशित भी हैं जिन्हें भविष्य में प्रकाशित किया जाएगा।श्री अजय कुमार गुप्ता जी ने कहा कि शैदा जी का व्यक्तित्व और कृतित्व अनुकरणीय है।आपकी रचनाएं तब भी प्रासंगिक है और भविष्य में भी रहेंगी।श्री राजेश अस्थाना अनंत महामंत्री ने शैदा जी की अनेकों कविताओं को कोड करते हुए कहा कि शैदा के साजन के गीत में मानवीय संवेदना कूट-कूट कर भरी हुई दिखाई पड़ती है।

इस अवसर पर सम्मानित मंच के माध्यम से शैदा साहित्य मंडल आजमगढ़ से जुड़े प्रथम संस्थापक अध्यक्ष स्व0 सूरत सहाय लाल ह्यध्रुवह्ल जी को उनके योग्य सुपुत्र डॉ0 भक्तवत्सल श्रीवास्तव और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव के माध्यम से शैदा साहित्य सम्मान 2026-27 से सम्मानित किया गया।सम्मान के उपरांत स्व0सूरत सहाय लाल 'ध्रुव' जी के साहित्य पर बोलते हुए प्रो अखिलेश चन्द्र शिक्षा संकाय, श्री गांधी पी जी कॉलेज माल्टारी,आजमगढ़ और संरक्षक:शैदा साहित्य मंडल आजमगढ़ ने कहा कि 27 जुलाई 1916 को जन्म लेने वाले ध्रुव जी साहित्य जगत के भी ध्रुव रहें हैं।आपकी पुस्तकों में स्त्रियों के मंगल गीत,चरखा चतुर्दशी,जिज्ञासा, मानस शब्दानुशासन, पुष्पांजलि प्रमुख हैं।आपका जो कद आपके लेखन में है वह स्थान आपको नहीं मिला जिसकी आपको जरूरत थी।आचार्य गोस्वामी तुलसीदास कृत राम चरित मानस पर आपने मानस शब्दानुशासन के माध्यम से अवधी के एक एक शब्द का व्याकरणीय विवेचना की है जो हिंदी साहित्य में एक शोध ग्रन्थ के रूप में स्थापित है इस अवसर पर सम्मान से अभिभूत डॉ0 भक्तवत्सल श्रीवास्तव जी ने कहा कि मैं शैदा साहित्य मंडल, आजमगढ़ का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

इस अवसर पर सम्मानित मंच द्वारा जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार श्री कन्हैया लाल अस्थाना प्रहरी जी की महत्वपूर्ण पुस्तक 'गुनगुने गीत' का लोकार्पण भव्य रूप में हुआ।पुस्तक गुनगुने गीत पर बोलते हुए प्रो. जगदम्बा प्रसाद दुबे हिन्दी विभाग डी ए वी पी जी कॉलेज आजमगढ़ ने कहा कि गुनगुने गीत के हर गीत गेयतापूर्ण है जिन्हें संगीत के रूप में लयबद्ध किया जा सकता है।प्रहरी जी ने इस पुस्तक के माध्यम से समाज के हर पहलू को समेटा है। स्त्री विमर्श,राष्ट्रीय विमर्श,और सामाजिक सरोकार से जुड़े हर विसंगति को नजदीक से छुआ ,देखा और लिखा है।इसी पुस्तक पर बोलते हुए श्री राजेश अस्थाना अनंत ने कहा कि गुनगुने गीत के सभी प्रसंग बड़ी बेबाकी से अपनी बात समाज के सामने रखते है।यह महत्त्वपूर्ण कृति हिंदी साहित्य में अपना बहुमूल्य योगदान देंगी ऐसा मेरा पूरा विश्वास है।इस अवसर पर श्री कन्हैया लाल अस्थाना प्रहरी जी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में सरस कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें श्रोता देर रात तक आनंदित होते रहे। अपनी कविता से श्री रुद्र नाथ चौबे ने ओज की रचनाएं पढ़कर समा बांध दिया।श्री अभिराज बेदर्दी ने अपनी भोजपुरी रचना चिरई का घोषला हो गइल सुनाकर लोगो का ध्यान खींचा।श्री दिनेश कन्नौजिया बिलरियागंज ने जन्म दिन मुबारक हो,ये मुबारक घराना है सुनाकर लोगों की वाह वाही लूटी।









45-किसान पांच दिवसीय प्रशिक्षण के लिये अयोध्या रवाना

जनता का सच-समाचार, रिपोर्ट-राजेश 'महाजन', मंडल-प्रभारी,आजमगढ़-मंडल
(बलिया,मऊ,आजमगढ़), मो०न०-08115659303

बलिया-सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (एसएमएई) योजना के तहत जनपद के-45-किसानों का दल पांच दिवसीय प्रशिक्षण के लिए आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज, अयोध्या के लिए रवाना हुआ



प्रशिक्षण कार्यक्रम एक से पांच अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा प्रशिक्षण के दौरान किसानों को नवीनतम फसल उत्पादन तकनीकों के साथ गौ आधारित प्राकृतिक खेती,कृषि विविधीकरण, टिकाऊ कृषि, मृदा स्वास्थ्य और किसान आय में वृद्धि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी किसानों को शाक-भाजी उत्पादन,जैविक खेती, पशुपालन और फसल अवशेष प्रबंधन की तकनीकों का भी प्रशिक्षण मिलेगा।इसके अलावा रबी फसलों की बुआई, बेहतर फसल प्रबंधन और आधुनिक कृषि पद्धतियों के व्यावहारिक पहलुओं से भी किसानों को अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को बदलती कृषि परिस्थितियों के अनुरूप आधुनिक, टिकाऊ और लाभकारी तकनीकों से जोड़ना है। कृषक दल को परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर सिंह के अनुज धर्मेंद्र सिंह,उप कृषि निदेशक मनीष कुमार सिंह तथा वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-बी प्रेम शंकर यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया इस अवसर पर धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि कृषि क्षेत्र में लगातार नई तकनीकों का विकास हो रहा हैऐसे प्रशिक्षण किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों को समझने और उन्हें अपने खेतों में अपनाने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने किसानों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी का अधिक से अधिक उपयोग कर कृषि उत्पादन बढ़ाने और आय में वृद्धि करने का आह्वान किया कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों को आधुनिक एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों की जानकारी देकर उन्हें व्यावहारिक रूप से दक्ष बनाया जाएगा, ताकि वे बेहतर फसल उत्पादन के साथ अपनी आय में भी वृद्धि कर सकें

51,000 बेटियों का सामूहिक विवाह सकुशल सम्पन्न

जनता का सच-समाचार, रिपोर्ट-राजेश 'महाजन', मंडल-प्रभारी,आजमगढ़-मंडल
(बलिया,मऊ,आजमगढ़), मो०न०-08115659303

लखनऊ के 6 बड़े अधिकारियों को हाईकोर्ट का अल्टीमेटमः 51,000 बेटियों का सामूहिक विवाह सकुशल सम्पन्न कराकर Compliance दाखिल करें, वरना अवमानना में 6 माह तक जेल, अगर आयोजक को परेशान किया या कार्यक्रम में गड़बड़ी की तो Contempt of Courts Act के तहत होगी कार्रवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट, लखनऊ बेंच ने 51,000 निर्धन बेटियों के सामूहिक विवाह मामले में सख्त रुख अपनाते हुए लखनऊ के 6 बड़े अधिकारियों को अंतिम अवसर दिया है माननीय न्यायमूर्ति श्री सौरभ लवानिया जी ने CAPL(L) No. 3907/2026 सुरेन्द्र कुमार गुप्ता बनाम आयुक्त लखनऊ मण्डल व 5 अन्य में दिनांक 29-09-2026 को आदेश दिया है कि सभी 6 अधिकारी 30-10-2026 के सामूहिक विवाह समारोह को सकुशल सम्पन्न कराकर 03-11-2026 को माननीय न्यायालय में अनुपालन हलफनामा दाखिल करेंगे।



6 अधिकारी जिनको नोटिस जारी हुआ -
1. आयुक्त, लखनऊ मण्डल
2. जिलाधिकारी, लखनऊ
3. उपाध्यक्ष, LDA
4. अपर मुख्य सचिव, संस्कृति विभाग
5. पुलिस आयुक्त, लखनऊ
6. अपर आयुक्त, लखनऊ

हाईकोर्ट के आदेश के 3 मुख्य बिंदु -
1. 03-11-2026 को हाजिरी - सभी को हाजिर होकर बताना है कि ह१३-उ 8454/2026 के दिनांक 17-08-2026 के आदेश का पालन क्यों नहीं किया।
2. 2 सप्ताह में अनुपालन - 13-14 अक्टूबर 2026 तक हर हाल में आदेश का पालन कर Compliance Affidavit दाखिल करें।
3. 5-5 हजार व्यक्तिगत हजार्ना - पैरा 6-7 के अनुसार रु 5,000/- प्रति अधिकारी अपनी जेब से (Not From State Funds) देना होगा।

अब सबसे बड़ा कानूनी पॉइंट जो आपने कहा - जेल का प्रावधान
सर Contempt of Courts Act 1971 की धारा 12 के अनुसार यदि कोई भी अधिकारी माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का जानबूझकर उल्लंघन करता है, या आवेदक सुरेन्द्र कुमार गुप्ता वरिष्ठ पत्रकार को परेशान करता है, या 30-10-2026 के जनहित कार्यक्रम में जानबूझकर गड़बड़ी / बाधा उत्पन्न करता है, तो यह Criminal Contempt माना जाएगा ऐसी स्थिति में माननीय उच्च न्यायालय को यह पूर्ण अधिकार है कि वह दोषी अधिकारियों को 6-माह तक की साधारण कारावास (जेल) और जुमार्ने से दंडित कर सकता है।
इसीलिए आयोजक ने अपने प्रार्थना पत्र में सभी अधिकारियों से निवेदन किया है कि -
> कृपया इस चैरिटेबल कार्यक्रम को शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने में सहयोग करें। मुझे परेशान न किया जाए, न ही कार्यक्रम में किसी प्रकार की गड़बड़ी की जाए। हाईकोर्ट के आदेश का अक्षरशः पालन कर कार्यक्रम सम्पन्न कराकर उङ्केस्र्ल्लू दाखिल कर दें, जिससे सभी 6 अधिकारीगण जेल जाने जैसी किसी भी कठोर कार्रवाई से सुरक्षित रहें और सम्मान के साथ कोर्ट में हलफनामा दे सकें कि कार्यक्रम सकुशल सम्पन्न हो गया है
आयोजक का बयान -
> यह लड़ाई मेरी निजी लड़ाई नहीं, 51,000 निर्धन बेटियों के सम्मान की लड़ाई है। मैं सभी 6 अधिकारीगणों का सम्मान करता हूँ। मेरा उद्देश्य किसी को सजा दिलाना नहीं, बल्कि माननीय हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन कराकर बेटियों का विवाह सम्पन्न कराना है ₹मैंने सभी अधिकारियों से विनम्र निवेदन किया है कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का-13-अक्टूबर से पहले अनुपालन कर 30-10-2026 के सामूहिक विवाह की सशर्त अनुमति प्रदान कर दें। जिससे सभी 6 बड़े अधिकारीगण इस ऐतिहासिक 51,000 बेटियों के सामूहिक विवाह समारोह को सकुशल सम्पन्न कराकर दिनांक 03-11-2026 को माननीय उच्च न्यायालय में यह गर्व के साथ Compliance हलफनामा दाखिल कर सकेंगे कि - 'माननीय न्यायालय के आदेश का पूर्ण अनुपालन करा दिया गया है और कार्यक्रम शांतिपूर्ण व सकुशल सम्पन्न करा दिया गया है', और उन्हें कोर्ट में हाजिर होने और 5,000-रु०व्यक्तिगत हजार्ना देने से मुक्ति मिल जाएगी अगली तिथि-इस मामले की अगली सुनवाई अब-03-11- 2026-को माननीय उच्च न्यायालय में होगी, उस दिन अधिकारीगण अपना अनुपालन हलफनामा प्रस्तुत करेंगे

जनसुनवाई में शिकायतों का त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी - डीएम

उत्तर प्रदेश ब्यूरो अब्दुल नासिर (बहराइच)

बहराइच- फरियादी को कार्रवाई की जानकारी देने के साथ प्रतिदिन कार्यालय में जनसुनवाई के निर्देश, लापरवाही और अनावश्यक विलंब पर होगी कार्रवाई जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट अपने कार्यालय कक्ष में जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए।



उन्होंने जनपद के सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को वर्चुअल जोड़ कर समस्त सम्बंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक प्रार्थना-पत्र का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का संबंधित अधिकारी स्वयं परीक्षण कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। शिकायत के निस्तारण के बाद फरियादी को की गई कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए, ताकि उसे अपनी समस्या के समाधान की स्थिति स्पष्ट रूप से पता चल सके। उन्होंने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रतिदिन अपने कार्यालय में जनसुनवाई करें तथा प्राप्त शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित कराएं। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई केवल शिकायत सुनने तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक फरियादी को समय से न्यायोचित समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी कार्रवाई हो। शासन की प्राथमिकता के अनुरूप आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

विशेष पॉक्सो जागरूकता अभियान के तहत प्राथमिक विद्यालय प्रथम बड़ीहाट में बच्चों को किया गया जागरूक

रिपोर्ट रामेश्वर सिंह भदौरिया

बहराइच। मा. जनपद न्यायाधीश के निदेर्शानुसार सचिव विनोद कुमार यादव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच द्वारा पॉक्सो अधिनियम, 2012 (लैंगिक



अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम) के प्रावधानों एवं उसके कानूनी परिणामों के संबंध में प्राथमिक विद्यालय प्रथम बड़ीहाट, बहराइच में प्रधानाचार्या तथा शिक्षिकाओं की उपस्तिथि में स्कूल के बच्चों को असिस्टेंट लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल द्वारा जागरूक किया गयाद्य जागरूकता कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच ने बालकों को जागरूक किया साथ ही शिक्षिकाओं से अपील कि की बालकों के लिए सुरक्षित वातावरण का माहोल रखे एवं उन्हें उन्हें समय-समय पर अच्छे एवं बुरे स्पर्श की जानकारी देंते रहेंद्य अभिभावकों से अपील की कि वे बच्चों को उनके अधिकारों एवं कानून की जानकारी प्रदान करने के साथ उनके प्रति सहजता का व्यवहार रखे और उनके साथ समय व्यतीत करेंद्य संकट की स्थिति में यदि आवश्यक हो तो उपलब्ध सहायता सेवाओं हेल्पलाइन चाइल्डलाइन1098, पुलिस112, बाल कल्याण समिति अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से सहायता प्राप्त का उपयोग करें।

जनपद बहराइच इमामगंज में नाले की सफाई कराते नजर आए ग्राम प्रधान

आरोपों के बीच सफाई अभियान का वीडियो सामने आया

रिपोर्ट रामेश्वर सिंह भदोरिया पत्रकार जिला बहराइच

बहराइच। जनपद बहराइच के इमामगंज क्षेत्र से ग्राम पंचायत बसंतपुर से जुड़ा एक मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान मोहम्मद शाकिर अंसारी को नाले की सफाई कराते हुए देखा जा रहा है। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें सफाई कार्य कराया जाना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था को लेकर ग्राम प्रधान पर आरोप लगाए जा रहे थे। वहीं दूसरी ओर सामने आए वीडियो में ग्राम प्रधान की मौजूदगी में नाले की सफाई कराई जाती नजर आ रही है। स्थानीय स्तर पर सफाई व्यवस्था को लेकर उठ रहे सवालों के बीच यह वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में नालियों और सार्वजनिक स्थानों की नियमित सफाई होने से जलभराव व गंदगी की समस्या से राहत मिल सकती है। अब देखना यह है कि ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था को लेकर लगाए जा रहे आरोपों की वास्तविक स्थिति क्या है और संबंधित विभाग द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाया जाता है।

जनपद बहराइच जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याए

उत्तर प्रदेश ब्यूरो अब्दुल नासिर (बहराइच)

बहराइच- पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहे।

जनपद बहराइच डीएम का सुबह-सुबह विकास भवन में औचक निरीक्षण, पांच कर्मचारी मिले अनुपस्थित

लापरवाही पर एक दिन का वेतन काटने के निर्देश, कार्यालयों में अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव और विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

रिपोर्ट रामेश्वर सिंह भदोरिया

बहराइच। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज सुबह विकास भवन पहुंचकर विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जिला विकास अधिकारी, अर्थ एवं संख्या अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, दिव्यांगजन सशक्तीकरण तथा परियोजना निदेशक डीआरडीए कार्यालय सहित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी तथा पांच कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी ने इसे गंभीरता से लेते हुए अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने तथा मुख्य विकास अधिकारी के माध्यम से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी अधिकारी-कर्मचारी समय से कार्यालय में उपस्थित रहकर अपने पदीय दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी से निर्वहन सुनिश्चित करें। अर्थ एवं संख्या अधिकारी कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पत्रावलियों के रख-रखाव को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एक करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त कर परियोजनवार नोडल अधिकारी नामित कर नियमित समीक्षा कराए जाने तथा लंबित कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीपीआरओ, डीडीओ, डीसी मनरेगा एवं समस्त बीडीओ को वित्तीय वर्ष में ग्राम पंचायतों में राज्य वित्त पंद्रहवें वित्त के कार्यों को तेजी से कराए जाने तथा नवीन कार्यों की नियमानुसार स्वीकृति में विलंब के लिए कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि सभी नवीन कार्यों की स्वीकृति नियमानुसार समय से प्राप्त करना सुनिश्चित करें, ताकि विकास कार्यों के संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि सड़क मार्गों पर निराश्रित गोवंश दिखाई न दें, इसके लिए प्रभावी टीम गठित कर नियमित अभियान चलाया जाए। कैटल कैचर के माध्यम से निराश्रित गोवंशों को पकड़कर गौशालाओं में संरक्षित करने तथा मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत अभियान चलाकर पात्र किसानों को गोवंश सुपुर्द करने के निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान विकास भवन में लगे अग्निशमन उपकरणों की वैधता अवधि समाप्त पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल पुराने उपकरण हटवाकर निर्धारित मानकों के अनुरूप नए अग्निशमन उपकरण लगवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालयों में सुरक्षा व्यवस्थाओं से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए तथा सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त और क्रियाशील स्थिति में रखी जाएं।

नेपालगंज-जमुनहा नाके पर पटाखों की अवैध तस्करी रोकने के लिए सशस्त्र पुलिस अलर्ट

उत्तर प्रदेश ब्यूरो अब्दुल नासिर (बहराइच)

नेपालगंज, बाँके। दशैं और तिहार के त्योहार नजदीक आते ही नेपाल में अवैध रूप से पटाखे लाने की गतिविधियां शुरू होने की आशंका बढ़ गई है। भारत से नेपाल की ओर छिपाकर और अवैध तरीके से पटाखे लाए जाने की संभावित कोशिशों को देखते हुए नेपालगंज-जमुनहा नाका चेकपोस्ट पर तैनात सशस्त्र पुलिस बल (अढक्र) ने निगरानी और जांच तेज कर दी है। त्योहारी सीजन में पटाखों की मांग बढ़ने के कारण तस्करों द्वारा अलग-अलग तरीकों से पटाखों को नेपाल ले जाने की कोशिश की जा सकती है। इसे देखते हुए चेकपोस्ट पर आने-जाने वाले लोगों, वाहनों और सामान की सघन जांच की जा रही है। सशस्त्र पुलिस बल के जवान नाके पर विशेष सतर्कता बरत रहे हैं और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

जनपद बहराइच डीएम ने छात्राओं से सुने 17, 14 और 19 के पहाड़े, बोले पढ़ाई में हमेशा आगे बढ़ने का रखें जज्बा कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं से आत्मीय संवाद कर परखी शिक्षा की गुणवत्ता, कम उपस्थिति पर वार्डेन का स्पष्टीकरण तलब

उत्तर प्रदेश ब्यूरो अब्दुल नासिर

बहराइच। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बेगमपुर का निरीक्षण कर छात्राओं को उपलब्ध कराई जा रही शैक्षिक एवं आवासीय सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने कक्ष-कक्षों में पहुंचकर छात्राओं से आत्मीय संवाद किया और उनके पठन-पाठन की स्थिति के साथ विद्यालय में मिल रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिलाधिकारी ने छात्राओं से 17, 14 और 19 के पहाड़े सुनकर उनकी शैक्षिक समझ को परखा तथा पढ़ाई



के प्रति सकारात्मक सोच के साथ निरंतर आगे बढ़ने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया। नामांकन के सापेक्ष छात्राओं की उपस्थिति कम पाए जाने पर जिलाधिकारी ने वार्डेन से जानकारी ली। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को संबंधित वार्डेन का स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवासीय विद्यालय में नामांकित प्रत्येक छात्रा की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और अनुपस्थित रहने वाली छात्राओं के संबंध में प्रभावी निगरानी रखी जाए। जिलाधिकारी ने गणित की पूर्णकालिक शिक्षिका कायनात खानम से छात्राओं की गणित विषय की पढ़ाई के संबंध में जानकारी लेते हुए उनसे प्रश्न भी किए। छात्राओं की विषयगत समझ अपेक्षित स्तर की न पाए जाने पर उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के प्रति नाराजगी व्यक्त की तथा विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता में प्रभावी सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के साथ उनकी विषयगत समझ और सीखने की क्षमता को मजबूत किया जाए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने विद्यालय की रसोई एवं भंडार गृह का निरीक्षण किया और छात्राओं के भोजन में प्रयोग की जाने वाली खाद्य सामग्री का अवलोकन किया। उन्होंने निर्देश दिया कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का ही प्रयोग किया जाए तथा छात्राओं को स्वच्छ, पौष्टिक एवं निर्धारित मानक के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि आवासीय विद्यालय में रहने वाली छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को बेहतर एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालय के सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन कराने तथा सभी व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के अन्त में डीएम छात्राओं को स्टडी टेबल, डस्टर तथा मार्कर भेंट कर उज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

मरीमाता मंदिर मेले की तैयारियों को लेकर डीएम-एसपी ने परखी व्यवस्थाएं

उत्तर प्रदेश ब्यूरो अब्दुल नासिर

बहराइच- जलभराव से लेकर सफाई, संपर्क मार्ग और श्रद्धालुओं की सुविधाओं तक विभागवार जिम्मेदारी तय कर समय से व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश शारदीय नवरात्रि के अवसर पर 11 अक्टूबर 2026 को श्री मरीमाता मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले मेले की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने आज मंदिर परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं के आवागमन, जलभराव, साफ-सफाई एवं संपर्क मार्ग सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर एवं आसपास जलभराव पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने खंड विकास अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बहराइच को निर्देशित किया कि मंदिर परिसर के साथ आसपास के क्षेत्रों



में विशेष अभियान चलाकर समुचित साफ-सफाई कराई जाए तथा कहीं भी गंदगी एवं जलभराव की स्थिति न रहने पाए। जिलाधिकारी ने मुख्य मार्ग से मंदिर को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित विभाग को मार्ग की आवश्यक मरम्मत समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि मेले से पूर्व सभी संपर्क मार्ग सुगम एवं सुरक्षित स्थिति में होने चाहिए। नगर पालिका एवं विकास विभाग को सफाई, जल निकासी तथा आसपास के क्षेत्र की व्यवस्थाओं पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि नालियों की सफाई के साथ जल निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध पहले से सुनिश्चित कर लिए जाएं, जिससे बारिश की स्थिति में भी जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। पुलिस विभाग को मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर प्रभावी प्रबंधन की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम आवागमन और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना सभी संबंधित विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं विभागवार जिम्मेदारी तय करते हुए समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आयोजन से पूर्व व्यवस्थाओं का पुनः स्थलीय सत्यापन कर यह सुनिश्चित किया जाए कि श्रद्धालुओं को किसी भी स्तर पर असुविधा न हो।

स्नातक निर्वाचन की तैयारियों पर जिला निर्वाचन अधिकारी की पैनी नजर, 07 मतदान केंद्रों की व्यवस्थाएं समय से दुरुस्त कराने के निर्देश

रिपोर्ट रामेश्वर सिंह भदोरिया

फैजाबाद- गोरखपुर स्नातक निर्वाचन-2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में निर्वाचन की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए नामित प्रभारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर अब तक की



तैयारियों की गहन समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ लेते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराई जाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन की पूरी प्रक्रिया में भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। सभी अधिकारी आयोग द्वारा जारी निदेर्शों का भली-भांति अध्ययन कर अपने-अपने दायित्वों के अनुरूप व्यवस्थाएं समय से पूरी करें। निर्वाचन की शुचिता, पारदर्शिता एवं निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। बैठक से अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि उप कृषि निदेशक का स्पष्टीकरण प्राप्त किया जाए। उन्होंने सभी प्रभारी अधिकारियों को अपने-अपने दायित्वों की नियमित समीक्षा करते हुए शेष तैयारियों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। एसडीएम एवं सीओ को निर्देश दिए कि जनपद में स्थित सभी 07 मतदान केंद्रों का सघन भ्रमण कर वहां मतदाताओं के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया जाए। निरीक्षण के दौरान जहां भी कोई कमी पाई जाए, उसे मतदान से पूर्व ही दूर कराया जाए, ताकि मतदाताओं को मतदान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। मतदान कार्मिकों की तैनाती, प्रशिक्षण, मतदान सामग्री, वाहनों की उपलब्धता सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण का शेड्यूल तैयार कर समय से प्रशिक्षण सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती के लिए भी आवश्यक तैयारियां पूरी करने को कहा, ताकि निर्वाचन के दौरान प्रत्येक स्तर पर प्रभावी निगरानी एवं समन्वय सुनिश्चित किया जा सके। आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 23 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08 बजे से सायं 04 बजे तक मतदान सम्पन्न होगा, जबकि मतगणना 27 अक्टूबर 2026 को मंडलायुक्त गोरखपुर के न्यायालय कक्ष में सम्पन्न होगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक कार्य की समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित करें और निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में पूरी गंभीरता बरतें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरुण कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद, मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे, जिला विकास अधिकारी राज कुमार, उप जिलाधिकारी, पीडी डीआरडीए मनीष कुमार सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।
सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।